MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

February, 2021

MEC-006 : PUBLIC ECONOMICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each section as per instructions given.*

SECTION A

*Answer any **two** questions from this section. Answer in about 700 words each.* *2×20=40*

1. Define Internalities. Discuss the consequences and some solutions thereof.

2. Explain the objectives of Public Debt Management. Give the principles of Debt Management as stated of Philip E. Taylor.

3. Define Privatisation. Give Rees' arguments in favour of privatisation. Do you agree that privatisation decreases the extent of political intervention ?

4. 'Equity or fairness should be the essential feature of any tax system.' Which of the two approaches – 'Benefit Received Approach' and 'Ability to Pay Approach' would you consider better for designing an equitable tax structure ? Support your answer with suitable examples.

SECTION B

*Attempt any **five** questions from this section in about 500 words each.* *5×12=60*

5. State the guiding principles for evaluating a current tax system and the tax reforms.

6. Compare and contrast Rawl's and Bentham's social welfare functions.

7. How do transfers of grants correct horizontal and vertical imbalances in a federal country ?

8. Write a note on Arrow's Impossibility Theorem.

9. Explain the various stages involved in framing of public expenditure policy.

10. Write short notes on any ***two*** of the following :

(a) Burden of Public Debt

(b) Plurality Voting

(c) Tax Incidence

(d) Public Goods

11. Bring out the role of media in an advisory coalition in success or failure of a policy programme.

12. (a) Why are bureaucrats interested in projects that have large expenditure in the present ?

(b) Why can stabilisation functions not be entrusted to local and regional governments ?

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

फरवरी, 2021

एम.ई.सी.-006 : लोक अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दिए गए निर्देशानुसार प्रत्येक भाग से प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

भाग क

*इस भाग से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 700 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।* *2×20=40*

1. बाध्यताओं (आन्तरिकताओं) की परिभाषा दीजिए । इनके परिणामों तथा कुछ समाधानों पर भी चर्चा कीजिए ।

2. लोक-ऋण प्रबंधन के उद्देश्य समझाइए । फिलिप ई. टेलर द्वारा निरूपित ऋण प्रबंधन के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए ।

3. निजीकरण की परिभाषा दीजिए । निजीकरण के पक्ष में रीस के तर्क बताइए । क्या आप सहमत हैं कि निजीकरण से राजनीतिक हस्तक्षेप सीमित हो जाता है ?

4. 'समता या न्यायपूर्णता किसी भी कर व्यवस्था की एक आवश्यक विशेषता होनी चाहिए ।' 'हितलाभ प्राप्ति' उपागम या 'भुगतान क्षमता' उपागम में से किसको आप एक समतापूर्ण कर प्रणाली की रचना हेतु बेहतर मानेंगे ? अपने उत्तर के पक्ष में उपयुक्त उदाहरण दीजिए ।

भाग ख

*इस भाग से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।* *5×12=60*

5. एक वर्तमान कर प्रणाली और कर सुधारों के मूल्यांकन के लिए निर्देशक नियमों का उल्लेख कीजिए ।

6. राउल और बैंथम के सामाजिक क्षेम फलनों की तुलना कीजिए और उनमें अंतर बताइए ।

7. एक संघीय देश में क्षैतिज एवं ऊर्ध्व असंतुलनों की समस्याओं का निवारण अनुदान अंतरणों से कैसे हो जाता है ?

8. ऐरो के असंभाव्यता प्रमेय पर टिप्पणी लिखिए ।

9. एक लोक व्यय नीति की रचना के विभिन्न सोपानों की व्याख्या कीजिए ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) लोक-ऋण का भार

(ख) बहुसंख्य मतदान

(ग) करापात

(घ) सार्वजनिक/लोक वस्तुएँ

11. किसी नीति कार्यक्रम की सफलता या विफलता में एक परामर्शदाता गठजोड़ के रूप में संचार माध्यमों (मीडिया) की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

12. (क) नौकरशाह ऐसी परियोजनाओं में क्यों रुचि रखते हैं जिन पर वर्तमान व्यय अधिक हो ?

(ख) स्थायीकरण के कार्यों का दायित्व स्थानीय एवं क्षेत्रीय सरकारों के जिम्मे क्यों नहीं छोड़ा जा सकता ?